

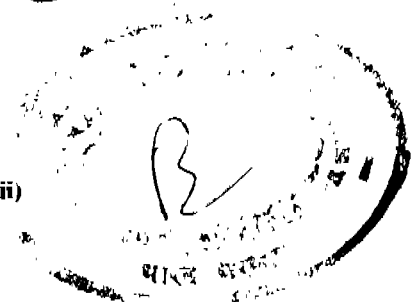


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 579]

No. 579]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 24, 1983/पौष 3, 1905

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 24, 1983/PAUSA 3, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1983

आदेश

क्र० आ० सं० 930 (अ)---चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 30 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण आदेश 1957 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नोक्त आदेश करती है, अर्थात्—

- 1 (1) इस आदेश को चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण (द्वितीय संशोधन) आदेश, 1983 कहा जाएगा।
- (2) यह सरकारी राजपत्र में उसके प्रकाशन का तारोख में प्रवृत्त होगा।
2. चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण आदेश, 1957 में,
 - (1) खण्ड 3 के उप खण्ड (इ) को हटा दिया जाएगा।
 - (2) खण्ड 11 को उसमें उप-खण्ड (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और पुनः संख्यांकित किये गये रूप में उप खण्ड

(1) के बाद, निम्नोक्त उपखण्ड—उप-खण्ड (2) तथा (3) के रूप में अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

“(2) कोई भी व्यक्ति तब तक मो०टी०सी० चाय निर्यात नहीं करेगा जब तक कि उसे—

- (क) चाय की थैलियों के रूप में निर्यात न किया जाय;
- (ख) चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण (द्वितीय संशोधन) आदेश 1983 के प्रवृत्त होने से पहले इस अधिनियम की धारा 17 के अन्तर्गत प्राप्त निर्यात लाईसेंस के अनुसरण में न किया जाए;
- (ग) चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण (द्वितीय संशोधन) आदेश 1983 के प्रवृत्त होने से पहले की गई संविदा को अनुसरण में न किया जाय तथा इस प्रयोजनार्थ चाय कलकत्ता, सिलीगुड़ी, गोहाटी, अमृतसर, कोबीन, कुन्नूर अथवा कोयम्बटूर में हुई सार्वजनिक नीलामियों में न खरीदी गई हो;
- (घ) चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण (द्वितीय संशोधन) आदेश, 1983 के प्रवृत्त होने से पहले ऐसी पैकेट चाय के निर्यात के लिए की गई संविदा के अनुसरण में पैकेट चाय के रूप में निर्यात न किया जाए और जब तक चाय (वितरण तथा निर्यात) नियन्त्रण (द्वितीय संशोधन) आदेश, 1983 के प्रवृत्त होने से तीस दिन के भीतर अथवा उस बढ़ाए गये समय में जो कि लाईसेंस प्राधिकारी द्वारा दिया जाए, पोन सदान न किया जाय, (3) उप खण्ड (2) में किन्ति बात के होने

हुए भी, केन्द्रीय सरकार लाईसेंस प्राधिकारी की सिफारिश पर असाधारण मामलों में और कारणों को लिखित में रिकार्ड करके सी० टी० सी० चाय के निर्यात की अनुमति दे सकती है।”

स्पष्टीकरण

(1) इस खण्ड में—

(क) ‘सी० टी० सी० चाय’ का अभिप्राय सी० टी० सी० चाय के रूप में वाणिज्यिक रूप में जानी जाने वाली चाय है;

(ख) ‘चाय की थैलियों’ से अभिप्राय उन पैकेटों से है जिनमें फिल्टर पेपर अथवा नायलन की बनी थैलियों में श्लैड की हुई अथवा संसाधित चाय हो तथा जिनमें गरम अथवा ठण्डे पानी में ऐसी थैलियों को सीधे डुबा कर चाय पेय तैयार करने के लिए प्रति थैली 20 ग्राम से अधिक चाय न हो तथा जिन्हें वाणिज्यिक रूप में चाय की थैलियां कहा जाता हो।

(ग) ‘पैकेट चाय’ से अभिप्राय उस चाय से है जो यूनिट पैको अथवा ऐसे डिब्बों में पैक की गई हो जो कि सामान्यतः ब्रांड नाम के अन्तर्गत फुटकर बिक्री के प्रयोजनार्थ पेश की जाती है और जिन्हें बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर दिया गया हो एवं इसमें ब पैकेज न मिल है जिन्हें एक साथ पैक किये गए दो पैकों का “जोड़ा” कहा जाता है और जिसमें मूल पैक में चाय का निबल भार एक किलोग्राम से अधिक न हो।

(2) विवाद के मामलों में कि कोई विशेष चाय सी० टी० सी० चाय या चाय की थैली अथवा पैकेट चाय है या नहीं, विवाद का लाईसेंस प्राधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये तीन विशेषज्ञों के पैनल को सौंपा जाएगा, जिनका निर्णय उस सम्बन्ध में अन्तिम होगा और पार्टियों के लिए बाध्यकारी होगा।

[फा० सं० बी०-11012 (1) /83-एलिट-ए से जारी]
जे० के० बागची, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

New Delhi, the 24th December, 1983

ORDER

S.O. 930(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 30 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953) the Central Government hereby makes the following order further to amend the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957, namely :—

1. (1) This order may be called the Tea (Distribution and Export) Control (Second Amendment) Order, 1983.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957,—

(i) sub-clause (e) of clause 3 shall be omitted;

(ii) clause 11 shall be renumbered as sub-clause (1) thereof and after sub-clause (1) as so renumbered, the following sub-clause shall be inserted as sub-clause (2) and (3) namely :—

“(2) No person shall export CTC teas unless it is—

(a) exported in the form of tea bags;

(b) in pursuance of an export licence obtained under section 17 of the Act before the coming into force of the Tea (Distribution and Export) Control (Second Amendment) Order, 1983;

(c) in pursuance of a contract entered into before the coming into force of the Tea (Distribution and Export) Control (Second Amendment) Order, 1983 and the teas for this purpose have been purchased at public auctions held in Calcutta, Siliguri, Gauhati, Amritsar, Cochin, Conoor or Coimbatore ;

(d) exported in the form of packet tea in pursuance of a contract for export of such packet tea entered into before the coming into force of the Tea (Distribution and Export) Control (Second Amendment) Order, 1983 and the shipment is made within thirty days from the coming into force of the Tea (Distribution and Export) Control (Second Amendment) Order, 1983 or such extended time as may be granted by the licensing authority.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-clause (2), the Central Government may, on the recommendation of the licensing authority, allow in exceptional cases and for reasons to be reported in writing, the export of C.T.C. teas.”

Explanation :—

(1) In this clause,—

(a) CTC tea means the commercially known as CTC tea;

(b) ‘tea bags’ means packets containing blended or processed tea in bags made of filter paper or nylon net containing not more than 20 gms. of tea per bag for brewing of tea liquor by direct immersion of such bags in hot or cold water, and commercially known as tea bags.

- (c) 'packet tea' means tea packet in unit packs or containers of a type as are ordinarily put up for the purpose of retail sale under a brand name and have been approved by the Board and includes packages known as "Jota" of two packs packed together in which the net weight of tea contained in the basic pack unit does not exceed one kilogram.

(2) In cases of dispute as to whether or not a particular tea is CTC tea or is a tea bag or packet tea, the dispute shall be referred to a panel of three experts appointed by the licensing authority whose decision thereon shall be final and binding on the parties.

[Issued from File No. B-11012(1)|83-Plant A.]
J. K. BAGCHI, Jt. Secy.

